राज्यपाल सचिवालय

राजभवन, जयपुर

गिरधारी लाल बिहाणी सनातन धर्म शिक्षा ट्रस्ट द्वारा आयोजित कार्यक्रम

सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति ने दुनिया को बहुत कुछ दियाः राज्यपाल श्री बागडे

जयपुर /श्रीगंगानगर, 8 सितम्बर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा कि शिक्षा व संस्कृति से ही संस्कारों का निर्माण होता है। अच्छे संस्कारों से राष्ट्र के अच्छे नागरिक बनते हैं। सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति ने दुनिया को बहुत कुछ दिया है।

श्री बागडे सोमवार को श्री गिरधारी लाल बिहाणी सनातन धर्म शिक्षा ट्रस्ट के 75 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित शिक्षा अमृत महोत्सव-शताब्दी की ओर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि टिकाऊ समाज के निर्माण में सभी की भूमिका होनी चाहिए। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दीं तथा कहा कि साक्षरता मौलिक अधिकार है। भारतीय संस्कृति, शिक्षा का समर्पण जीवन को उत्कृष्ट बनाती है। राष्ट्र का निर्माण प्राकृतिक संसाधनों से नहीं, मानव संसाधनों से बनता है। इसके लिये शिक्षा एक जरूरी कदम है।

राज्यपाल ने कहा कि हिन्दू धर्म में वसुधैव कुटुम्बकम् में विश्वास रखने की भावना है। हम लोग पूरे विश्व का कल्याण चाहते हैं। यही सनातन धर्म है। भारत ने कभी किसी दूसरे देश पर आक्रमण नहीं किया और न ही किसी दूसरे धर्म को कम आंकने या निंदा करने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को स्वामी विवेकानंद से प्रेरणा लेनी चाहिए। जैसा सोचोगे, वैसा ही बनोगे की अवधारणा होनी चाहिए। विद्यार्थियों में एकाग्रता बहुत जरूरी है। हमारे युवा प्रतिभाशाली बनें, इसके लिये एकाग्रता पर जोर देते हुए उन्हांने महाभारत में अर्जुन ने जिस प्रकार निशाना लगाया, का उदाहरण दिया।

श्री बागडे ने बताया कि नई शिक्षा नीति लागू है। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जिससे विद्यार्थियों में बौद्धिक क्षमता के साथ-साथ संस्कारवान व गुणवान बनाये। उन्होंने बताया कि हमारे प्राचीन ग्रंथों में सौरमण्डल सहित खगोलीय घटनाओं का उल्लेख मिलता है, जो एकदम सटीक निकलता है। हिन्दुस्तान की प्राचीनतम संस्कृति ने दुनिया को बहुत कुछ सिखाया है।

गंगानगर विधायक व श्री गिरधारी लाल बिहाणी सनातन धर्म शिक्षा ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री जयदीप बिहाणी ने राज्यपाल श्री बागडे को सम्मान पत्र पढ़कर भेंट किया। कार्यक्रम में बिहाणी ट्रस्ट में योगदान देने वाले शिक्षाविदों, कार्मिकों को सम्मानित किया गया। वहीं पर शिक्षा, खेल व अमृत महोत्सव के अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रकार की 6 प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

75
SETH GIRDHARI LAL
Since 1951
BIHANI
SD SHIKSHA TRUST
75 YEARS OF
EXCELLENCE

गढ़ सेठ सुशील कुमार बिहाणी "Student of the year"

75
SETH GIRDHARI LAL
Since 1951
BIHANI
SD SHIKSHA TRUST
75 YEARS OF